कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक ($B^{++}$) प्रत्यायित संस्था

# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

**सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर**

# दिगंत

## ई-पत्रिका:अक्टूबर-2025

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत


**Website** : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

**Office Email** : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549


For Social App links (Click one icon) :

# दिगंत-ई-पत्रिका:अक्टूबर-2025

## संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

## मुख्य संरक्षक

**श्री प्रमोद कुमार चौधरी**

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

## सम्पादक मण्डल

**प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य**

## प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग

2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग

3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग

4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

October-2025

# कार्यक्रम-विवरण

| क्र.सं. | दिनांक एवं दिन | विभाग का नाम | कार्यक्रम का नाम | पेज नं. |
|---|---|---|---|---|
| | 02.10.2025 वृहस्पतिवार | एन.सी.सी. | महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित | 1 |
| | 07.10.2025 मंगलवार | राजनीति विज्ञान | भारत अमेरिका सम्बन्ध : समकालीन परिप्रेक्ष्य विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय–संगोष्ठी उद्घाटन | 2–4 |
| | 08.10.2025 बुधवार | राजनीति विज्ञान | भारत अमेरिका सम्बन्ध : समकालीन परिप्रेक्ष्य विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय–संगोष्ठी का समापन | 4–5 |
| | 13.10.2025 | वाणिज्य | औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम | 6 |
| | 16.10.2025 | बी.एड. | छात्र परिषद का गठन | 7–8 |
| | 17.10.2025 | समाजशास्त्र | दिया बनाओ प्रतियोगिता | 8 |
| | 24.10.2025 | रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन | वाद–विवाद प्रतियोगिता | 10 |
| | 30.10.2025 | महाविद्यालय | महाविद्यालय के प्राचार्य के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उत्सव पूर्ण आयोजन | 11 |

October-2025

# महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

02 अक्टूबर 2025 को 44यूपी वाहिनी एन.सी.सी., गोरखपुर के तत्वावधान में महाविद्यालय की एनसीसी प्लाटून द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ पवन कुमार पाण्डेय ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गांधी जी और शास्त्री जी का जीवन हमें सादगी, ईमानदारी और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। एन.सी.सी. सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने अपने संबोधन में कहा कि "स्वच्छता ही सेवा है"। स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं बल्कि संस्कार है, जिसे हमें अपने स्वभाव और आचरण का हिस्सा बनाना चाहिए। द्वितीय सत्र में "संस्कार स्वच्छता स्वभाव स्वच्छता" थीम के अंतर्गत स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

Oct 2025

# दो दिवसीय राष्ट्रीय-संगोष्ठी का उद्घाटन

**07.10.2025 को** महाविद्यालय, के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एवं भारतीय वैश्विक परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय : **भारत अमेरिका सम्बन्ध : समकालीन परिप्रेक्ष्य** विषयक **दो दिवसीय राष्ट्रीय-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में प्राप्त हुए शोध–पत्रों के संकलन के रूप में प्रकाशित दो पुस्तकों– भारत अमेरिका सम्बन्ध : समकालीन परिप्रेक्ष्य, इण्डो–यू.एस.रिलेशन्स : ए.कन्टेम्परेरी पर्सपेक्टिव** का लोकार्पण किया गया।

**मुख्य अतिथि प्रो. राजीव कुमार, पूर्व अधिष्ठाता महात्मा गॉधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार** थे। उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत–अमेरिका संबंध आज के वैश्विक परिदृश्य में सामरिक, आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अमेरिका स्वयं को विश्व नेतृत्व की भूमिका में देखता है, जबकि भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों के आधार पर आगे बढ़ना चाहता है। यही स्वतंत्रता दोनों देशों के बीच कभी–कभी मतभेदों का कारण बनती है। अमेरिका की प्रवृत्ति संसाधनों और तकनीकी प्रभुत्व के माध्यम से वैश्विक प्रभाव बनाए रखने की रही है, जबकि भारत आत्मनिर्भर विकास पर बल देता है।

**विशिष्ट अतिथि प्रो. राजेश सिंह, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** थे उन्होने कहा कि वैश्विक राजनीति के बदलते परिदृश्य में अमेरिका की

Octob

विदेश नीति निरंतर पुनर्गठन की प्रक्रिया से गुजर रही है। शीत युद्धोत्तर युग में अमेरिका ने जो वैश्विक नेतृत्व स्थापित किया था, वह आज नई वैश्विक शक्तियों के उदय, विशेषकर चीन और भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के कारण चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसे में अमेरिका की विदेश नीति का प्रमुख उद्देश्य अपने आर्थिक और रणनीतिक हितों की रक्षा करना तथा वैश्विक संतुलन को अपने अनुकूल बनाए रखना है।

**विशिष्ट अतिथि डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** थे उन्होंने संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत–अमेरिका संबंध वर्तमान में एक जटिल संक्रमणकाल से गुजर रहे हैं, जहाँ सहयोग और प्रतिस्पर्धा समानांतर रूप से उपस्थित हैं। ट्रंप 2.0 युग में अमेरिका फर्स्ट नीति ने इन संबंधों को पुनः परिभाषित किया है। व्यापारिक मतभेद, टैरिफ विवाद और एच.1बी. वीज़ा नीति में कठोरता ने आर्थिक साझेदारी में तनाव उत्पन्न किया है; वहीं, आई.सी.इ.टी. पहल, रक्षा सहयोग तथा तकनीकी हस्तांतरण जैसे क्षेत्र इस संबंध की मज़बूत नींव बने हुए हैं। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता नीति अब भी इसकी कूटनीतिक दिशा का मूल है, जिसके माध्यम से वह अमेरिका–चीन शक्ति प्रतिद्वंद्विता के बीच संतुलन बनाए रखता है।

**संगोष्ठी निदेशक, प्रो. ओम प्रकाश सिंह प्राचार्य** ने कहा कि वर्तमान युग में ज्ञान का आधुनिक स्वरूप सूचना के रूप में परिवर्तित हो चुका है, जिससे उस पर एकाधिकार बनाए रखना कठिन होता जा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस दौर में अपनी प्रासंगिकता और स्वतंत्र पहचान बनाये रखना भी एक जटिल चुनौती है। इसी परिवर्तित वैश्विक परिवेश में भारत और अमेरिका जैसे दो विशाल लोकतंत्रों का सहयोग विशेष महत्व रखता है।

**कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रो. पूनम टण्डन, कुलपति, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** थी उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध यह महाविद्यालय भी बराबर सक्रियता निभाते हुए संगोष्ठी आयोजित कर रहा है। जो कि शिक्षा व शोध की गुणवत्ता बढ़ाने में अहम भूमिका है। भारत अमेरिका में कोई सैद्धान्तिक मतभेद नही है बल्कि सब कुछ आर्थिक हितों की अभिवृद्धि करना है।

**कार्यक्रम में भारतीय वैश्विक परिषद, (आई.सी.डब्ल्यू.ए.), नई दिल्ली के प्रतिनिधि के रूप में श्री एफ.आर.सिद्दीकी** थे उन्होने कहा कि वर्तमान समय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही कठिन दौर से गुजर रहा है। दुनिया में आ रहे इस बदलाव के बीच राजनीति का अध्ययन बहुत ही महत्वपूर्ण है। भारतीय

October-2025

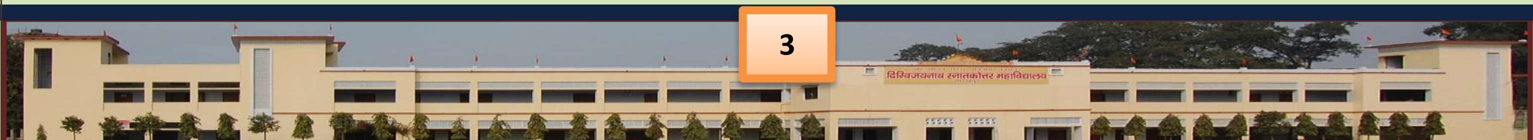

वैश्विक परिषद भारत सरकार के शोध व नवाचार की विचारधारा को बढ़ावा देने हेतु इस प्रकार की संगोष्ठियों के आयोजन पर बल देता है जिससे विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं व शिक्षकों में अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का समझ विकसित हो सके।

**राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रस्ताविकी संयोजक, डॉ. इन्द्रेश कुमार,** अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग ने प्रस्तुत किया **संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्रा** ने किया। **राष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र** की **अध्यक्षता प्रो. ममता मणि त्रिपाठी,** प्राचार्य उदित नारायण पी.जी. कालेज, पड़रौना कुशीनगर ने किया। **मुख्य अतिथि प्रो. विनोद कुमार पाल,** प्राचार्य, दी.द.उ. राजकीय महाविद्यालय सहजनवा थे व **विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल कुमार सिंह** प्राचार्य, महात्मा गॉधी पी.जी.कालेज, गोरखपुर थे। तकनीकी सत्रों में **कुल 56 ऑफलाइन एवं 17 ऑनलाइन शोध–पत्रों का वाचन** किया गया।

## दो दिवसीय राष्ट्रीय-संगोष्ठी के दूसरे दिन समापन सत्र

**दिनांक 08.10.2025 महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एवं भारतीय वैश्विक परिषद, नई दिल्ली परिषद द्वारा प्रायोजित भारत अमेरिका सम्बन्ध : समकालीन परिप्रेक्ष्य विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय–संगोष्ठी** के समापन सत्र में **मुख्य अतिथि प्रो. अश्विनी के. महापात्रा, पूर्व अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ इण्टरनेशनल स्टडीज, (एस.आइ.एस.), जे.एन.यू.नई दिल्ली** ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत–अमेरिका संबंध आज मात्र कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वैश्विक लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशी विकास

और प्रौद्योगिकीय नवाचार के सशक्त आधार पर विकसित हो रहे हैं। **प्रो.महापात्रा** ने इसे "21वीं सदी की वैश्विक साझेदारी" कहते हुए स्पष्ट किया कि दोनों देश समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के रूप में विश्व में स्थिरता और शांति के नए प्रतिमान प्रस्तुत कर रहे हैं।

**विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राघवेंद्र प्रताप सिंह, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ** थे उन्होने कि भारतीय–अमेरिकी संबंधों के समकालीन परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा की संकल्पना अब केवल सैन्य शक्तियों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह आर्थिक, तकनीकी और कूटनीतिक सहयोग तक विस्तृत हो गई है। आज प्रत्येक राष्ट्र अपने आर्थिक हितों को सर्वोपरि रख रहा है, और भारत एक तीव्र गति से उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में वैश्विक मंच पर प्रभाव बढ़ा रहा है। चीन के विस्तारवाद को संतुलित करना और वैश्विक व्यापार में नई संभावनाओं को साधना भारत–अमेरिका सहयोग की प्रमुख दिशा बन गई है।

**समापन सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने किया उन्होने कहा कि विश्व गुरू भारत को समय और नीति के निर्धारण में बौद्धिक अभिजन ही प्रमुख भूमिका निभाते है परन्तु अब जन संवाद निर्णय में मुख्य भूमिका निभाने लगा है। इस दिशा में सोशल मीडिया की प्रमुख भूमिका भी सामने आयी है। ज्ञान कुछ लोगों के हाथ में केन्द्रीत नही होनी चहिए बल्कि इसका प्रकीर्णन होना चाहिए।

**राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय एवं चतुर्थ तकनीकी सत्रों** की **अध्यक्षता प्रो. गोपाल प्रसाद,** आचार्य दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे **मुख्य अतिथि** डा. अविनाश प्रताप सिंह, सहायक आचार्य, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु थे **विशिष्ट अतिथि** डॉ. राजीव कुमार सिंह, सहायक आचार्य, ए0पी0एन0 पी0जी0 कालेज, बस्ती थे। तकनीकी सत्रों में **कुल 27 ऑफलाइन एवं 11 ऑनलाइन शोध–पत्रों का वाचन** किया गया। **राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह का संचालन डॉ. समृद्धि सिह** एवं आभार ज्ञापन **डॉ. इन्द्रेश कुमार,** अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग ने कया।

October-2025

## वाणिज्य विभाग द्वारा बी.कॉम. अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

**दिनांक 13.10.2025 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा बी.कॉम. अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योगों के व्यावहारिक कार्य प्रणाली से अवगत कराना है।**

**मुख्य वक्ता श्री अविनाश कुमार श्रीवास्तव, बालाजी एकेडमी थे उन्होने कहा कि** आज के युग में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, विद्यार्थियों को उद्योगों के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़कर सीखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्योगों में इंटर्नशिप के माध्यम से अपने कौशल को विकसित करने की सलाह दी। **विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार सिंह ने कहा कि** ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यावसायिक कौशल को विकसित करने में अत्यंत उपयोगी होते हैं। विद्यार्थियों ने भी इस अनुभव को अपने करियर के लिए प्रेरणादायक बताया।

October

# वाणिज्य विभाग द्वारा बी.कॉम. अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 13.10.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर के वाणिज्य विभाग द्वारा बी.कॉम. अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योगों के व्यावहारिक कार्य प्रणाली से अवगत कराना है।

**मुख्य वक्ता श्री अवनीश कुमार श्रीवास्तव, बालाजी एकेडमी ने कहा कि** आज के युग में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, विद्यार्थियों को उद्योगों के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़कर सीखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्योगों में इंटर्नशिप के माध्यम से अपने कौशल को विकसित करने की सलाह दी।

**विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार सिंह ने कहा कि** ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यावसायिक कौशल को विकसित करने में अत्यंत उपयोगी होते हैं। विद्यार्थियों ने भी इस अनुभव को अपने करियर के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम का संचालन श्री दीपक कुमार साहनी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे। बी.एड. छात्र परिषद् का गठन तथा नवागत छात्र परिचय एवं स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन।

## बी.एड. छात्र परिषद का गठन

दिनांक 16–10–2025 को महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग में बी. एड. छात्र परिषद का गठन तथा नवागत छात्रों के परिचय एवं स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में सत्र : 2025–26 हेतु बी.एड. छात्र परिषद के गठन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। परिषद गठन के अवसर पर सर्वप्रथम डॉ. सुभाष चंद्र ने इस परिषद के गठन के उद्देश्यों से समस्त प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। इसके पश्चात बी.एड परिषद के सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से निर्विरोध रूप से हुआ। अध्यक्ष पद पर आकांक्षा राव और उपाध्यक्ष पद पर प्रद्युम्न दूबे बी.एड. द्वितीय वर्ष से तथा बी.एड. प्रथम वर्ष से नेहा दूबे मंत्री पद और आदर्श राव सह मंत्री पद पर चुने गए। हेमा गुप्ता, नेहा साहनी, अखिलेश चंद, दीपक कुमार, मुस्कान जायसवाल, आकर्षिता, सूर्यांशु शुक्ला, एवं ज्ञानेश कुमार नापित सांस्कृतिक मंत्री पद पर नियुक्त किए गए । बी०एड० तृतीय सेमेस्टर के हर्षिता कश्यप एवं बी० एड० प्रथम सेमेस्टर के प्रिया का कक्षा प्रतिनिधि पद पर चयन हुआ। मीडिया प्रभारी पद पर सन्नु गौतम, आंशिक पांडेय, प्रांजलि प्रिया एवं गार्गी त्रिपाठी का चयन किया गया । पुस्तकालय मंत्री पद के लिए अभिमन्यु यादव, सरस्वती, प्रवीण राम त्रिपाठी व अनुष्का यादव को चुना गया। इस अवसर पर स्वच्छता, अनुशासन तथा पर्यावरण समितियों का गठन भी किया गया । इस अवसर पर विशाल सिंह एवं नेहा दुबे द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं क्विज के द्वारा प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं में से मिस्टर फ्रेशर एवं मिस फ्रेशर का चयन किया गया । मिस्टर फ्रेशर के रूप में सायंतन कुमार और मिस फ्रेशर के रूप में प्रांजलि प्रिया को चुना गया ।

## समाजशास्त्र के विद्यार्थियों द्वारा दीया बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन

17 अक्टूबर 2025 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा स्वदेशी अपनाओ का संदेश देते हुए दीपावली पर्व के अवसर पर समाजशास्त्र के विद्यार्थियों द्वारा दीया बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशी उत्पादों के उपयोग के प्रति सजगता और गर्व की भावना जागृत करना था, साथ ही उन्हें स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के प्रति प्रेरित करना और उनमें आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि स्वदेशी का भाव प्रकृति व पड़ोस के प्रति अनुराग रखना ळें उन्होंने विद्यार्थियों को स्वदेशी उत्पादों के महत्व से अगवत कराते हुए कहा कि हमें स्थानीय मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के स्वयं से सजावट किये गए दीपकों को चयनित कर पुरस्कृत किया गया। जिसमें रीतिका शुक्ला –प्रथम, सुप्रिया यादव – द्वितीय तथा ज्योति मिश्रा व रिया पाण्डेय संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं।

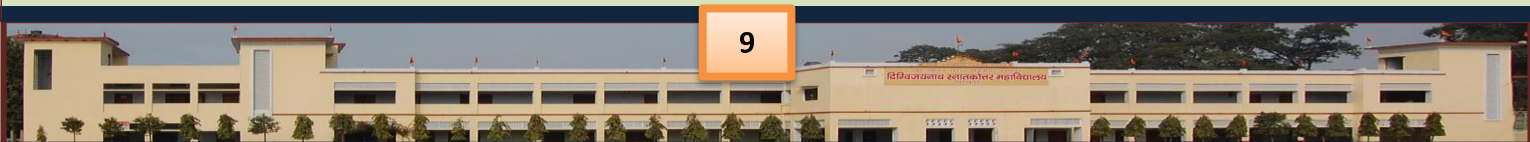

## संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस' के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

**24 अक्टूबर 2025 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में 'संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस' के अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के भाग–दो एवं तीन के कुल 80 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।**

वाद–विवाद का विषय 'संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता तथा महत्व' कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** संयुक्त राष्ट्र की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के अन्तिम समय में इसलिए किया गया कि भविष्य में विनाशक युद्धों को रोका जा सके। संयुक्त राष्ट्र सभी प्रकार के युद्धों को प्रतिबन्धित करता है। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र ने तीसरी तथा चौथी दुनियाँ के देशों को मंच प्रदान किया। जिसके माध्यम से वह अपनी समस्याओं तथा विचारों से पूरी दुनियॉ को अवगत करा सके।

उक्त कार्यक्रम के अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने युद्धों पर अंकुश लगाने के साथ–साथ विकासशील एवं तृतीय विश्व के देशों के विकास में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

## महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह के चार वर्ष पूर्ण होने पर उत्सवपूर्ण आयोजन

**30 अक्टूबर** को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह के चार वर्षों के सफल कार्यकाल के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न प्राध्यापकों ने अपने विचार और अनुभव साझा किए।

इसी क्रम में **आईक्यूएसी संयोजक प्रोफेसर परीक्षित सिंह** ने कहा कि महाविद्यालय ने बीते चार वर्षों में शिक्षणेतर उन्नयन एवं शोध कार्यों की दिशा में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। उनके अनुसार, हाल ही में कॉलेज के तत्वावधान में एक इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें देश–विदेश के विद्वानों ने हिस्सा लिया। **प्रोफेसर नित्यानंद श्रीवास्तव** ने कहा कि नवीन कार्य ही सौंदर्य का प्रतीक है और यह सौंदर्य प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह के कार्य में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। **प्रोफेसर अर्चना सिंह** ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय में वित्तीय सहायता हेतु **'महंत दिग्विजयनाथ वित्त पोषण योजना'** प्राचार्य प्रो. सिंह के निर्देशन में प्रारंभ हुई है। इस योजना के माध्यम से 202 विद्यार्थी प्रतिवर्ष लाभान्वित होते हैं। **अपने चार वर्षों के अनुभव साझा करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि** किसी भी संस्था को चलाने में प्राधिकार जनित सोपान की अपेक्षा संस्कार जनित सोपान अधिक महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सदैव महाविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ संवेदनशील संवाद और सहयोग की भावना से कार्य किया है। उनका यह मानना है कि हर व्यक्ति को उसकी सामर्थ्य और योगदान के अनुरूप सम्मान और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित प्राध्यापकों और अतिथियों ने प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह को शुभकामनाएं प्रेषित कीं और उनकी दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता की सराहना की। पूरे आयोजन में उत्साह, आत्मीयता और संस्थागत गौरव की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. नितीश शुक्ला ने किया।

October-2025